

शिम्बु न गावस्तर्हणं रिक्त्ति RV. 1, 186, 7. 146, 2. 2, 35, 13. गावैव श्मूधे  
मातरा रिक्त्तौ 3, 33, 1. 41, 5. 53, 13. 8, 20, 21. क्रतुं रिक्त्ति मधुनाभ्यञ्जते  
9, 86, 43. 16. 97, 57. 100, 1. 7. रिक्त्तौसं रिप उपस्थे अन्नः 10, 79, 3. 114,  
4. शिम्बु न विप्रा मतिंभी रिक्त्ति 123, 1. तयोरिद्धवत्पयो विप्रा रिक्त्ति  
धीतिभिः ablecken 1, 22, 14. AV. 5, 1, 4. Schol. zu PANĀV. Br. 6, 5, 14.  
रिक्, रिक्त्ति (वधे) KAVIKALPADRUMA im ÇKDr. — Vgl. अरीळ्दं und लिक्.

— intens. wiederholt belecken, küssen: रेरिक्त्, रेरिक्त्ते, रेरिक्त्ता  
RV. 3, 55, 14. 1, 140, 9. 4, 38, 6. 6, 27, 7. रेरिक्त्ते युवति विष्पतिः सन् 10,  
4, 4. नामा रेरिक्त्दीरुधः समञ्जन् 45, 4. अन्नःपात्रे रेरिक्त्तां रिशाम् AV.  
11, 9, 15. पर्जन्यो रेरिक्त्तापो वीरुधः समनक्ति ÇAT. Br. 6, 7, 2, 2. — Vgl.  
रेरिक्त्ता.

— आ belecken (benagen): योनिं यो अन्नररेळ्दं RV. 10, 162, 4. —  
Vgl. अरेक्त्ता.

— परि dass.: अधीवासं परिं मातु रिक्त्तं RV. 1, 140, 9.

— प्रति dass.: तं गन्धर्वस्य प्रत्यान्ना रिक्त्ति AV. 7, 73, 3.

— सम् gemeinsam belecken: वृत्समिव मातरा संरिक्त्तौ RV. 3, 33, 3.

रिक्म् adv. wenig NAIGH. 3, 2, v. 1.

रिक्त्ताम् m. = स्तेन NAIGH. 3, 24.

रिक्त्ता s. रिक्त्ता.

रिक्त्तु m. = रिक्त्ताम् NAIGH. 3, 24, v. 1. — Vgl. रिक्त्तु.

1. री Verbalwurzel s. u. 1. रि.

2. री = रे in अर्धद्री.

3. री f. s. u. र 2) b).

रीत्या f. = घृणा VĀŚASP. im ÇKDr. = लङ्गा KALĪŅGA ebend. — Vgl. रीठा.

रीठा f. und रीठाकरञ्ज m. eine Karañga-Species RĪĪAN. im ÇKDr.

रीठक m. Rückgrat H. 601.

रीठा f. Geringachtung AK. 1, 1, 2, 23. H. 1479. HALĪJ. 4, 30. तपस्वि-  
रीठाकारी PARÇVANĀTHAK. 5, 67. सरीठं पुनरथाक् KĀÇIKH. 76, 49 (beide  
Stellen bei AUFRECHT, HALĪJ. Ind.). — Vgl. अरवलीठा.

रीतिं (von 1. री) f. 1) Strom; Lauf, Strich, Linie: महीव रीतिः शर्व-  
सासर्तपृथक् RV. 2, 24, 14. वार्तेवाज्या न्येव रीतिरुत्ती इव चतुषा यात-  
मर्वाक् 39, 5. तामस्य रीतिं पशोरिव प्रत्यनीकमध्यम् 5, 48, 4. दिवो वृ-  
ष्टिरिदो रीतिरुपाम् 6, 13, 1. 9, 108, 10. रीतीर्निर्वर्तयामास काञ्चनाञ्जनरि-  
जतोः Ströme —, Striche von Gold u. s. w. HARIV. 3931 = 5327. कनक-  
रीतिभिः 8361. रीतीभूत in einer Reihe stehend PĀR. GRHJ. 3, 10. दत्ति-  
पोत्तररीति Schol. zu KĀTJ. ÇR. 916, 1 v. u. = स्पन्द AK. 3, 4, 44, 71.  
MED. t. 50 (hier fälschlich स्पन्द gedr.). = स्रवण H. an. 2, 190. = सी-  
मन् Grenze H. an. — 2) (Lauf der Dinge), Art, Weise; = प्रचार AK.  
MED. = रूप, लक्षण u. s. w. H. 1376. = गति H. an. सर्वत्रैषा विह्विता  
रीतिः Spr. 3589. इति रीतिः पुरातनी Verz. d. Oxf. H. 86, a, 23. निशात्त-  
क्लिष्टचक्राहरीतिह्यो रसक्रमः KATHĀS. 14, 62. अनया रीत्या auf diese  
Weise VET. in LA. (III) 2, 6. अस्मदुक्तया रीत्या SARVADARÇANAS. 102, 20.  
उक्तरीत्या Schol. zu P. 1, 4, 69. zu Kap. 1, 71. 153. पूर्वाक्तरीत्या NILAK.  
169. वक्ष्यमाणरीत्या SĪH. D. 23, 13. — 3) Stil, Diction H. an. SĪH. D. 5.  
624. fgg. 4, 14. 6, 13. fg. PRATĀPAR. 11, a, 9. 67, a, 9. Verz. d. Oxf. H. 199,  
a, 4. 206, b und 207, a, No. 487. 208, a, No. 489. 210, a, 1. Es werden  
drei, vier und auch sechs Stile angenommen: वैदर्भी, गौडी und पाञ्चाली;  
dieselben und लाटिका; die vorhergehenden vier und überdies अरव-

VI. Theil.

त्तिका und मागधी. — 4) Glockengut, gelbes Messing AK. 2, 9, 97. TRIK.  
3, 3, 180. H. 1048. H. an. MED. HALĪJ. 2, 15. KATHĀS. 24, 178. 193. RĪĪA-  
TAR. 4, 203. 6, 172. 4te RĪĪA-TAR. 12. Eisenrost TRIK. H. an. MED. = दग्ध-  
स्वर्णादिमल DHAR. im ÇKDr.; vgl. ब्रह्म°, रिरी, रीरी, रैत्य.

रीतिक 1) n. Vitriol als Kollyrium RĪĪAN. im ÇKDr. — 2) f. आ =  
रीति Glockengut, gelbes Messing VARĀH. BRH. S. 57, 8. Vitriol als Kolly-  
rium ÇABDAR. im ÇKDr.

रीतिपुष्प n. Vitriol als Kollyrium AK. 2, 9, 103. H. 1034.

रीत्यप् adj. Wasser strömend: वृष्टिद्यावा रीत्यापा Mitra und Va-  
ruṇa RV. 5, 68, 5. ÇAT. Br. 1, 9, 4, 6. (इन्द्रवः) वृष्टिद्यावो रीत्यापः (voc.)  
RV. 9, 106, 9.

रीर m. Bein. Çiva's GAṬĀDH. in Verz. d. Oxf. H. 191, a, 6.

रीरी f. = रिरी, रीति Glockengut, gelbes Messing H. 1048.

रीव्, रीवति und °ते (आदानसंवरणयोः) DHĀTUP. 24, 15, v. 1. — Vgl. चीव्.

1. रू, रीति NAIGH. 3, 14 (अर्चतिकर्मन्). DHĀTUP. 24, 24 (शब्दै) und र-  
वीति P. 7, 3, 95. VOP. 9, 53. ved. रूर्वति, रूर्वत् 3. sg.; partic. रूर्वत् (र-  
वत् MBh. 1, 6293), र्वमाण (R. 7, 34, 23), र्वमाण (ĀÇV. ÇR. 2, 18, 10); रू-  
राव. रूर्विव VOP. 9, 53. रूर्विवरे; अरावीत्, अराविषुम्, अरवत्त; रवि-  
ष्यति und रविता KĀR. 1 aus SIDDH. K. zu P. 7, 2, 10. auch रोता VOP.  
9, 53. brüllen, heulen, laut schreien, toben, quaken, summen, dröhnen:  
रूर्वताः RV. 1, 173, 3. 10, 94, 6. रूर्वति भीमो वृषभस्तविष्यया 9, 70, 7. 71,  
9. 5, 42, 14. मा राविष्ट नेदस्तेके तनये रविता रवत् AIT. Br. 2, 7. ते क्वा-  
त्थाप्यमाना रूर्विवरे 7, 27. TBR. 1, 5, 2, 9. ÇAT. Br. 2, 5, 2, 18. KĀTH. 30, 1.  
PANĀV. Br. 7, 5, 11. LĀTJ. 5, 1, 14. अक्षरोष्ट्रे च रूर्वति M. 4, 115. रासभा-  
रावसदृशं रूर्वाव च ननाद च MBh. 1, 4508. गोमापुरेषु सेनाया रूर्वन्मध्ये  
प्रधावति 4, 1463. अशिवं चारूर्वत्क्वाः KATHĀS. 116, 3. BHĀTJ. 12, 72.  
14, 21. तदन्नः — रूर्वत् भैरवं रवम् MBh. 1, 6293. रूर्वत्तश्च महारवान् (रा-  
त्तसाः) 3, 11716. R. 4, 9, 64. 7, 7, 41. 34, 23. उद्गापति रीति नृत्यति BHĀG.  
P. 7, 7, 34. इत्यैराञ्जनः 4, 13, 40. BHĀTJ. 3, 17. न खल्वहमिदं शून्ये रीमि  
किं न प्रपौषि मे MBh. 1, 3022. शिखी रीति त्रिमात्रम् ÇIKSHĀ 49. रीति  
कुक्कुटः VARĀH. BRH. S. 63, 1. 86, 62. 88, 34. 89, 4. 90, 13 (रूर्वत्ती). 91, 1.  
95, 16. 20. 96, 5. fgg. एते रूर्वति मधुरे सारसा जलचारिणः MBh. 1, 5898.  
माडूकेषु रूर्वत्सु 12, 5400. रूर्वति रावान्मधुरान्पट्टदः 1, 2855. कर्षो कलं  
किमपि रीति शनैर्विचित्रम् (मशकाः, खलः) Spr. 1884. mit Geschrei u. s.  
w. erfüllen, das Geschrei richten gegen: पुंस्कोकिलहताः (नद्यः) MBh.  
3, 1535. सर्वपत्तिरुतं वनम् HARIV. 3543. R. 3, 7, 8. 4, 41, 11. विकृगमृगह-  
ता (संध्या) VARĀH. BRH. S. 30, 7. 34, 8. 39, 1. 86, 72. KĀM. NĪTIS. 16, 25.  
रुत n. Gebrüll, Geschrei, Gesang (der Vögel) u. s. w. AK. 1, 1, 6, 4. H.  
1407. रुते ज्ञेहाति KĀTJ. ÇR. 5, 6, 88. गोमापुरुतानि Spr. 1844. कुब्जा  
रुतेर्गृह्मनादयत् R. 2, 78, 12. SUÇR. 2, 281, 19. वसत्ते शीतभीतेन को-  
किलेन वने रुतम् । अन्नर्जनगताः पन्नाः श्रोतुकामा इवोत्थिताः ॥ Spr.  
2759. पुंस्कोकिलानाम् ÇĀK. 131. परपुष्टं MBh. 4, 386. R. GORR. 2, 56,  
13. °विज्ञेयसारसाः 3, 22, 23. द्विज्ञानाम् 2, 98, 16. BRAHMA-P. in LA. (III)  
51, 15. हंसं SUÇR. 1, 107, 11. RĪ. 1, 5. VARĀH. BRH. S. 3, 39. 47, 28. 86, 6.  
41. fg. 88, 10. 26. 34. 37. 89, 15. Verz. d. B. H. H. No. 996. fg. रुतानि  
षट्पदानाम् BHĀTJ. 2, 10. ÇIÇ. 9, 34. रुतज्ञः सर्वसञ्चानाम् so v. a. die Sprache  
aller Thiere kennend MBh. 12, 4269. 13, 5204. HARIV. 1234. R. 2, 35, 17.  
रुत्तिरुतानिश्च KATHĀS. 13, 17. रुतज्ञा अपि पत्तिणाम् 101, 49. विद्यो च